"छत्तीसगढ़ के लोकगीतों का समाजशास्त्रीय अध्ययन"

राजीव गाँधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय

अम्बिकापुर, सरगुजा (छ0ग0)

की एम.फिल (हिन्दी) उपाधि हेतु

प्रस्तुत लघु शोध प्रबंध

2021–22

14/7/2022

शोध निर्देशक

डॉ. विजयलक्ष्मी शास्त्री

सहायक प्राध्यापक (हिन्दी)

राजीव गाँधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय

अम्बिकापुर, सरगुजा (छ0ग0)

शोधकर्ता

मनोरमा पाण्डेय

एम.फिल (हिन्दी)

राजीव गाँधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय

अम्बिकापुर, सरगुजा (छ0ग0)

राजीव गाँधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय

अम्बिकापुर, सरगुजा (छ0ग0) पिन– 497001

प्रमाण–पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि मनोरमा पाण्डेय, राजीव गाँधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अम्बिकापुर में एम.फिल. (हिन्दी) विषय में 2021–22 की नियमित छात्रा है, उन्होंने लघु शोध प्रबन्ध कार्य **"छत्तीसगढ़ के लोकगीतों का समाजशास्त्रीय अध्ययन"** मेरे मार्गदर्शन में पूर्ण किया है। यह छात्रा का मौलिक अनुसंधानात्मक कार्य है।

14/7/2022

शोध निर्देशक का नाम/हस्ताक्षर

डॉ. विजयलक्ष्मी शास्त्री

सहायक प्राध्यापक (हिन्दी)

राजीव गाँधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय

अम्बिकापुर, सरगुजा (छ0ग0)

छत्तीसगढ़ के लोकगीतों का समाजशास्त्रीय अध्ययन

अनुक्रमणिका

भूमिका

अध्याय एक – छत्तीसगढ़ का सामान्य परिचय

1.1 भौगोलिक पृष्ठभूमि

1.2 प्रागैतिहासिक व पौराणिक पृष्ठभूमि

1.3 ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

I. मौर्य काल

II. सातवाहन काल

III. वाकाटक वंश

IV. गुप्त वंश

V. राजर्षितुल्य कुल

VI. शरभपुरीय वंश

VII. पाण्डुवंश

VIII. नलवंश

IX. मराठा शासन

X. ब्रिटिश शासन काल

1.4 बोली, जाति, प्रमुख व्यवसाय

I. मध्य छत्तीसगढ़ी बोली

II. उत्तरी छत्तीसगढ़ की बोली

III. दक्षिणी छत्तीसगढ़ की बोली

अध्याय दो – छत्तीसगढ़ की लोकसंस्कृति

2.1 संस्कृति परिभाषा एंव स्वरूप

2.2 लोक संस्कृति अर्थ एवं स्वरूप

2.3 रीति–रिवाज परम्पराएँ

2.4 व्रत–त्योहार

I. हरेली

II. भोजली

III. हलषष्ठी

IV. तीजा पर्व

V. देवारी

VI. गौरा

VII. होरी (होली)

VIII. छेरछेरा (छेरता)

IX. गंगा दशहरा पर्व

X. सरहुल पर्व

अध्याय तीन – छत्तीसगढ़ के लोकगीतों का परिचयात्मक विवेचन

3.1 लोक शब्द का अर्थ एवं परिभाषा

3.2 लोकगीत की परिभाषा एवं स्वरूप

3.3 छत्तीसगढ़ के लोकगीतों का वर्गीकरण

(अ) नारी गीत –

I. संस्कार विषयक गीत

II. नृत्य गीत

III. पर्व गीत

IV. अन्य गीत

(ब) पुरूष गीत –

I. नृत्य गीत

II. जातीय गीत

III. धार्मिक गीत

IV. ऋतु गीत

(स) बच्चो के गीत –

I. बालकों के खेल गीत

II. शिशुओं के खेल गीत

III. बालिकाओं के खेल गीत

3.4 छत्तीसगढ़ के लोकगीतों का महत्व

I. सामाजिक जीवन मे महत्व

II. धार्मिक जीवन में महत्व

III. पारिवारिक जीवन में महत्व

अध्याय चार – छत्तीसगढ़ के लोकगीतों मे समाज और संस्कृति

4.1 समाज परिभाषा एवं स्वरूप

4.2 छत्तीसगढ़ के लोकगीतों मे सामाजिक चेतना

4.3 छत्तीसगढ़ के लोकगीतों में नारी का स्वरूप

I. सामाजिक जीवन मे लोकगीत (नारी के संदर्भ में)

II. धार्मिक जीवन में लोकगीत (नारी के संदर्भ में)

III. अन्य गीतों मे नारी जीवन

4.4 छत्तीसगढ़ के लोकगीतों मे धर्म एवं संस्कृति

अध्याय पाँच – उपसंहार

संदर्भ ग्रंथ

सहायक ग्रंथ सूची